पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के अन्तर्गत गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर एवं महराजगंज जनपदों के 50,000 से अधिक छात्र–छात्राओं एवं प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरित किए

आज युवाओं के चेहरों पर टैबलेट प्राप्त होने की जो प्रसन्नता दिखायी दे रही, वह प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक : मुख्यमंत्री

यह टैबलेट केवल एक डिजिटल डिवाइस नहीं, बल्कि एक चलता–फिरता विश्वविद्यालय

योजना के प्रथम चरण में 60 लाख तथा द्वितीय चरण में 25 लाख युवाओं को टैबलेट उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा

इन डिजिटल उपकरणों से केवल विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि उनके परिवार भी लाभान्वित हुए, ई–गवर्नेंस, डिजिटल पेमेण्ट और हेल्थ सर्विस जैसी सुविधाओं तक उनकी पहुँच आसान हुई

टैबलेट में 18 हजार से अधिक फ्री कोर्स उपलब्ध कराए गए, 'युवा साथी ऐप' के माध्यम से युवाओं को केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर मिल सकेगी

युवा फीड नहीं, बल्कि फ्यूचर स्क्रॉल करें

युवा अपने भविष्य की बेहतर योजना बनाएं, सरकार उनके साथ खड़ी

सरकार ने संगठित अपराध और माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई की, अब नशे के सौदागरों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई शुरू होने जा रही

सरकार ने युवाओं को पैसे और रिश्तेदारी के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और टैलेण्ट के आधार पर नौकरी देने की व्यवस्था की

वर्ष 2017 के बाद से अब तक अकेले गीडा में लगभग 20 हजार करोड़ रु0 का निवेश हुआ, गीडा में 50 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिला

युवाओं को अपना स्टार्ट–अप स्थापित करने के लिए सरकार ने 1,000 करोड़ रु0 का फण्ड ऑफ फण्ड्स बनाया

मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना और मतदान करना युवाओं का अधिकार भी तथा कर्तव्य भी

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार युवाओं के करियर को उज्ज्वल बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही

लखनऊ : 20 नवम्बर, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि युवा के चेहरे पर आने वाली खुशी पूरे समाज की खुशी होती है। यह खुशी समाज को प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाती है। आज युवाओं के चेहरों पर टैबलेट प्राप्त होने की जो प्रसन्नता दिखायी

दे रही है, वह प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है। यह टैबलेट केवल एक डिजिटल डिवाइस नहीं, बल्कि एक चलता–फिरता विश्वविद्यालय है। इसका उपयोग रील देखने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इसके माध्यम से युवा अपनी शिक्षा, कौशल, करियर और भविष्य को नई दिशा दे सकते हैं। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का प्रत्येक युवा तकनीकी रूप से सशक्त बने और विकसित भारत के निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभाए।

मुख्यमंत्री जी आज गोरखपुर में स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के अन्तर्गत गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर एवं महराजगंज जनपदों के 50,000 से अधिक छात्र–छात्राओं एवं प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरित करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं के साथ सेल्फी ली। कार्यक्रम के दौरान स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना से सम्बन्धित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2021 में कोरोना महामारी के कारण परीक्षाएं आयोजित नहीं हो पा रही थीं। शिक्षा व्यवस्था के सामने असमंजस की स्थिति थी। उस समय बच्चों को एक वर्ष बिना परीक्षा के ही प्रमोट करना पड़ा था। ऐसे में अगले वर्ष की शिक्षा और युवाओं के भविष्य को लेकर चिंता स्वाभाविक थी। इसी पृष्ठभूमि में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पावन जयन्ती के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना लागू की गई। उस समय प्रदेश के 02 करोड़ युवाओं को टैबलेट वितरित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

योजना के प्रथम चरण में 60 लाख युवाओं को टैबलेट एवं स्मार्टफोन वितरित किए गए। बाद में युवाओं की ओर से यह माँग आयी कि स्मार्टफोन के स्थान पर टैबलेट अधिक उपयोगी होगा। युवाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए योजना के द्वितीय चरण में 25 लाख युवाओं को टैबलेट उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। लखनऊ के बाद गोरखपुर में इस चरण का दूसरा बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यहाँ 50,000 से अधिक युवाओं को टैबलेट वितरित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि योजना के प्रथम चरण के प्रभाव का अध्ययन आई0आई0एम0 लखनऊ की टीम के माध्यम से कराया गया। अध्ययन में सामने आया कि इस पहल का लाभ लगभग 03 करोड़ लोगों तक पहुँचा। प्रथम चरण में टैबलेट एवं स्मार्टफोन प्राप्त करने वाले 60 लाख युवाओं में से 46 प्रतिशत ऐसे परिवारों से थे, जिन्होंने पहली बार कोई डिजिटल डिवाइस देखा था। अध्ययन में विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता, कक्षा में सहभागिता, करियर सम्बन्धी आकांक्षाओं तथा नेतृत्व क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव भी सामने आया। इन डिजिटल उपकरणों से केवल विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि उनके परिवार भी लाभान्वित हुए हैं। ई–गवर्नेंस, डिजिटल पेमेण्ट और हेल्थ

सर्विस जैसी सुविधाओं तक उनकी पहुँच आसान हुई है। इस प्रकार 60 लाख युवाओं के माध्यम से लगभग 03 करोड़ लोगों तक डिजिटल सशक्तीकरण का लाभ पहुँचा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज वितरित किया जा रहा टैबलेट युवाओं के लिए चलता–फिरता विश्वविद्यालय है। इसके लिए इन्फोसिस के साथ टाई–अप किया गया है और इसमें 18 हजार से अधिक फ्री कोर्स उपलब्ध कराए गए हैं। टैबलेट में 'युवा साथी ऐप' भी उपलब्ध कराया गया है, जिसके माध्यम से युवाओं को केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि बी0ए0, बी0एस0सी0, एम0एस0सी0, एम0ए0, बीटेक अथवा कोई अन्य डिग्री या डिप्लोमा कोर्स करने वाले युवाओं को पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार एवं कैम्पस सिलेक्शन की चिंता रहती है। युवा साथी ऐप के माध्यम से उन्हें अपने लिए उपयोगी योजनाओं की जानकारी मिल सकेगी। इसमें स्कॉलरशिप, इण्टर्नशिप, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना सहित युवाओं से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री जी ने युवाओं को आगाह करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाला प्रत्येक कण्टेण्ट सही नहीं होता। रील लाइफ और रियल लाइफ में अन्तर होता है। किसी भी सामग्री को पढ़ने, देखने अथवा साझा करने से पहले उसका फैक्ट चेक अवश्य करें। अपनी डिजिटल सिक्योरिटी का भी ध्यान रखें। तकनीक आवश्यक है, लेकिन तकनीक को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए। हमें तकनीक का उपयोग करना है, तकनीक को हमारा उपयोग नहीं करने देना है।

युवा टैबलेट के माध्यम से केवल फीड देखने में समय व्यतीत न करें, बल्कि फ्यूचर स्किल्स विकसित करें। युवा फीड नहीं, बल्कि फ्यूचर स्क्रॉल करें। रील देखने के लिए 30 सेकण्ड दीजिए, लेकिन अपनी स्किलिंग के लिए 30 मिनट से लेकर 03 घण्टे तक का समय अवश्य निकालिये। जिस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, उसकी पूरी जानकारी प्राप्त कर स्वयं को निरन्तर अपडेट रखें। टैबलेट का उपयोग केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से वह अपनी डिजिटल सुरक्षा, सरकारी योजनाओं की जानकारी, ऑनलाइन पंजीकरण तथा भविष्य की आवश्यकताओं से सम्बन्धित अनेक कार्य कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में युवाओं के सामने पहचान का संकट था। प्रदेश में न पर्याप्त रोजगार के अवसर थे, न उद्योगों का अनुकूल वातावरण और न ही निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया का भरोसा। परीक्षाओं में नकल माफिया और भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं के कारण युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ होता था। परीक्षा कोई और देता था और नियुक्ति पत्र कोई दूसरा प्राप्त कर लेता था। नौकरी मिलने के बाद भी कई बार कोर्ट के स्टे के कारण नियुक्तियां निरस्त हो जाती थीं।

वर्तमान सरकार ने निष्पक्ष चयन प्रक्रिया सुनिश्चित की है। वर्ष 2017 में ही सभी भर्ती बोर्डों और आयोगों को स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। भर्ती में नकल, पेपर लीक अथवा अनियमितता करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के लिए कानून बनाया गया, जिसमें आजीवन कारावास, 01 करोड़ रुपये तक के जुर्माने तथा उनकी सम्पत्ति जब्त करने का प्राविधान किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार ने युवाओं को पैसे और रिश्तेदारी के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और टैलेण्ट के आधार पर नौकरी देने की व्यवस्था की है। पिछले साढ़े नौ वर्षों में लगभग पौने दस लाख युवाओं को सरकारी नियुक्तियाँ प्रदान की गई हैं। हाल के दिनों में विभिन्न विभागों में वितरित नियुक्ति पत्रों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि 25 अगस्त, 2026 को कृषि विभाग के 3,572 युवाओं को, 19 सितम्बर, 2026 को स्वास्थ्य विभाग के 818 युवाओं को, 22 सितम्बर, 2026 को शिक्षा विभाग के 3,568 अभ्यर्थियों को, 28 सितम्बर, 2026 को पंचायतीराज विभाग के 1,375 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इसी प्रकार 08 अक्टूबर, 2026 को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के माध्यम से चयनित 470 कुशल खिलाड़ियों को, 05 नवम्बर, 2026 को 28 फॉरेंसिक साइंटिस्ट को, 06 नवम्बर, 2026 को 4,543 सब–इंस्पेक्टरों को, 11 नवम्बर, 2026 को राजस्व विभाग के 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र दिए गए।

इन नियुक्तियों के साथ 16 हजार से अधिक युवाओं को हाल के कार्यक्रमों में सरकारी नियुक्तियाँ प्रदान की गई हैं। इसके अतिरिक्त 8,000 लेखपालों की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अगले एक सप्ताह के भीतर उन्हें भी नियुक्ति पत्र देने के लिए बड़े कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है। 32 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और सत्यापन की कार्यवाही अन्तिम चरण में है। प्रयास है कि नवम्बर के अन्त तक अथवा दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएं। साथ ही, 42 हजार से अधिक होमगार्डों की भर्ती प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। उन्हें भी नियुक्ति पत्र वितरित करने के लिए बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आगामी 26 जनवरी तक औसतन प्रत्येक पाँच से सात दिन में एक बड़ा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा। सरकार का संकल्प है कि युवाओं को उनकी योग्यता और प्रतिभा के आधार पर रोजगार मिले, न कि पैसे और रिश्तेदारी के आधार पर।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले वर्षों में कानून–व्यवस्था के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखा है। पहले प्रदेश में अराजकता, दंगे, कर्फ्यू और आगजनी की घटनाएँ होती थीं। बेटियों की सुरक्षा खतरे में थी और व्यापारी भी स्वयं को असुरक्षित

महसूस करते थे। आज प्रदेश में सुरक्षा का बेहतर वातावरण है। अब उत्तर प्रदेश में न कर्फ्यू है, न दंगा है और न ही अराजकता। उत्तर प्रदेश अब उपद्रव से उत्सव की ओर बढ़ चुका है। आज अयोध्या में पंचकोसी परिक्रमा में 50 से 55 लाख श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। शारदीय नवरात्रि के दौरान पूरे प्रदेश में 67 हजार दुर्गा प्रतिमाएँ स्थापित की गईं, लेकिन कहीं कोई विवाद नहीं हुआ। विजयादशमी पर गाँव–गाँव में यज्ञ और रामलीला के आयोजन हुए। भव्य एवं दिव्य दीपावली आज उत्तर प्रदेश की नई पहचान बन रही है। यह प्रदेश में सुरक्षा, विश्वास और उत्सवपूर्ण वातावरण का परिणाम है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब प्रदेश में सुरक्षा का माहौल बना, तो निवेश आया। बेटियाँ स्कूल, कॉलेज और अपने कार्यस्थलों तक सुरक्षित पहुँच रही हैं। व्यापारी और प्रत्येक नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यही बदले हुए उत्तर प्रदेश की पहचान है। उन्होंने एच0सी0एल0 का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष 1976 में उत्तर प्रदेश में कम्प्यूटर निर्माण की पहली इकाई स्थापित हुई थी, लेकिन लम्बे समय तक उसका अपेक्षित विकास नहीं हो पाया। वर्ष 2017 में यहाँ एच0सी0एल0 में लगभग 100 लोग काम कर रहे थे। आज लखनऊ स्थित एच0सी0एल0 टेक सेण्टर में लगभग 18 हजार लोग कार्यरत हैं।

एच0सी0एल0 ने फॉक्सकॉन के साथ मिलकर सेमीकण्डक्टर क्षेत्र में कार्य आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन के अनुरूप भारत में सेमीकण्डक्टर मैन्युफैक्चरिंग की दिशा में कार्य प्रारम्भ हुआ है। उत्तर प्रदेश में भी इस क्षेत्र में बड़े निवेश की सम्भावनाएँ विकसित हो रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सेमीकण्डक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका है और इस क्षेत्र में प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे।

एच0सी0एल0 टेक सेण्टर में कार्यरत 18 हजार युवाओं में बड़ी संख्या में बेटियाँ भी शामिल हैं। वह तीन शिफ्टों में कार्य कर रही हैं। वह नाइट शिफ्ट में भी कार्य करती हैं और रात में दो बजे छुट्टी होने के बाद स्वयं अपने वाहन से घर जाती हैं। युवतियों का सुरक्षित महसूस करना प्रदेश में कानून–व्यवस्था और महिला सुरक्षा में आए बदलाव का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज गोरखपुर में भी फिल्मों की शूटिंग हो रही है। पहले कलाकारों और फिल्म निर्माताओं को दूसरे शहरों में जाकर कार्य करना पड़ता था, लेकिन अब गोरखपुर में भी फिल्म निर्माण की गतिविधियाँ बढ़ रही हैं। सांसद श्री रवि किशन शुक्ल इसका उदाहरण हैं। प्रदेश में उद्योग स्थापित हो रहे हैं और युवाओं को उनके अपने क्षेत्र में रोजगार मिल रहा है। प्रदेश में लगभग 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। जो निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे हैं, उनके माध्यम से उत्तर प्रदेश में लगभग 65 लाख युवाओं को उनके गाँव और घर के आसपास रोजगार

के अवसर उपलब्ध हुए हैं। इससे निजी क्षेत्र में भी रोजगार के व्यापक अवसर सृजित हुए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने गोरखपुर के औद्योगिक विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में वर्ष 2007 से 2017 के बीच लगभग 10 वर्षों में कुल 29 से 30 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था, जबकि वर्ष 2017 के बाद से अब तक अकेले गीडा में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। गीडा में 50 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। गीडा में एक के बाद एक कम्पनियाँ स्थापित हो रही हैं। यहाँ सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना हुई है, फ्लैटेड फैक्ट्री का निर्माण हुआ है, वरुण बेवरेजेज के माध्यम से कोका–कोला का प्लाण्ट आया है तथा स्टील की नई–नई कम्पनियाँ स्थापित हुई हैं। यह गोरखपुर के औद्योगिक विकास और रोजगार के बढ़ते अवसरों का उदाहरण है।

वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में केवल 120 स्टार्ट–अप कार्य कर रहे थे, जबकि आज प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप प्रदेश में 25 हजार से अधिक स्टार्ट–अप संचालित हो रहे हैं। इन स्टार्ट–अप का नेतृत्व युवा और युवतियाँ कर रहे हैं। आज प्रदेश का युवा केवल नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला भी बन रहा है। परम्परागत उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए एम0एस0एम0ई0 सेक्टर, 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुज़ीन' जैसी पहल के माध्यम से युवाओं को नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एम0एस0एम0ई0 सेक्टर में लगभग 3.25 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। प्रत्येक जनपद के विशिष्ट उत्पाद और खानपान की परम्परा को पहचान दिलाकर उसे बाजार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक घर की रसोई अपने आप में व्यंजनों का भण्डार होती है। प्रदेश की माताएँ और बहनें पारम्परिक व्यंजनों को बनाने में दक्ष हैं। युवा इस परम्परा को उद्यम का रूप दे सकते हैं। वह पर्यटन क्षेत्र में गाइड बनकर, सर्विस सेक्टर में काम करके अथवा अपने जनपद के पारम्परिक उद्यमों को टेक्नोलॉजी, पैकेजिंग और मार्केटिंग से जोड़कर अपना करियर बना सकते हैं। युवा डिजिटल एण्टरप्रेन्योर बनकर भी रोजगार सृजित कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2016–17 में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था लगभग 12 लाख करोड़ रुपये की थी, जो आज बढ़कर लगभग 36 लाख करोड़ रुपये हो गई है। प्रदेश की जी0एस0डी0पी0, प्रति व्यक्ति आय तथा बजट के आकार में तीन गुना वृद्धि हुई है। आज उत्तर प्रदेश, देश में सबसे बड़े बजट वाले राज्यों में शामिल है। देश के एक्सप्रेस–वे नेटवर्क में उत्तर प्रदेश का लगभग 60 प्रतिशत योगदान है। प्रदेश में सर्वाधिक शहरों में मेट्रो का संचालन हो रहा है। सभी जिला मुख्यालय 4–लेन कनेक्टिविटी से जुड़ चुके हैं तथा तहसील और ब्लॉक मुख्यालयों को 2–लेन सड़कों से

जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। आज उत्तर प्रदेश में 17 एयरपोर्ट हैं, जिनमें 05 इण्टरनेशनल एयरपोर्ट शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश अब भारत की इकोनॉमी का ग्रोथ इंजन बन चुका है। प्रदेश की नई पहचान सुशासन, सुरक्षा, विकास और निवेश से बनी है। इस परिवर्तन में प्रदेश की युवा शक्ति का सबसे बड़ा योगदान है। युवाओं ने दिन–रात मेहनत करके हर चुनौती का सामना किया है और अपने परिश्रम से उत्तर प्रदेश को नई पहचान दिलायी है। आज देश और दुनिया में उत्तर प्रदेश के युवाओं को सम्मान मिल रहा है। पहले प्रदेश के युवाओं को दूसरे राज्यों में नौकरी अथवा कार्य के लिए जाने पर पहचान का संकट झेलना पड़ता था। कई बार उत्तर प्रदेश का नाम सुनकर लोग उनसे दूरी बना लेते थे। आज स्थिति बदल चुकी है। देश और दुनिया में उत्तर प्रदेश का नाम सुनकर लोग यहाँ के युवाओं से जुड़ना चाहते हैं। प्रदेश के युवाओं ने अपनी मेहनत से यह बदलाव सम्भव किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले इन्सेफेलाइटिस जैसी बीमारी पूर्वी उत्तर प्रदेश की पहचान बन गई थी। यह बीमारी केवल मासूम बच्चों के जीवन को ही प्रभावित नहीं कर रही थी, बल्कि उत्तर प्रदेश की पहचान को भी नुकसान पहुँचा रही थी। उस समय बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज स्वयं बीमार स्थिति में था। आज गोरखपुर में एम्स स्थापित हो चुका है। कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, सिद्धार्थनगर और बस्ती में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं। बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज को भी सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया गया है। स्वास्थ्य सुविधाओं में हुए इस बदलाव से पूर्वांचल के लोगों को बड़ी राहत मिली है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर में पहले 04 विश्वविद्यालय थे और एक दिन पूर्व ही पाँचवें विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया गया है। इन विश्वविद्यालयों को केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थानों के रूप में नहीं, बल्कि युवाओं की प्रतिभा और क्षमता विकसित करने वाले सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। शिक्षा संस्थानों में सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे युवाओं को अपने क्षेत्र में ही बेहतर शिक्षा के अवसर प्राप्त हों। आज गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज सहित पूरा पूर्वांचल विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, सड़क और रोजगार के क्षेत्र में हुए परिवर्तन से इन जनपदों की तस्वीर बदली है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रत्येक जनपद में लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर स्किलिंग एण्ड एम्प्लॉयमेण्ट जोन स्थापित करने जा रही है। इन केन्द्रों पर आठवीं, हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक अथवा अन्य शैक्षिक योग्यता रखने वाले युवाओं को उनकी रुचि और आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। यदि कोई युवा जापान या जर्मनी जाना चाहता है, तो उसे सम्बन्धित देश की भाषा तथा

वहाँ की इण्डस्ट्री में आवश्यक मैनपावर और स्किल्स के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद उसे जापान, जर्मनी अथवा देश और प्रदेश के भीतर उसकी योग्यता के अनुरूप उद्योगों एवं रोजगार से जोड़ने की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने युवाओं से अपनी पसंद के क्षेत्र में स्किलिंग प्राप्त करने, राष्ट्रीय कार्यक्रमों से जुड़ने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को आश्वस्त करती है कि उनके लिए रोजगार के अवसरों की कमी नहीं होगी। प्रत्येक जनपद में स्थापित होने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल स्किलिंग एण्ड एम्प्लॉयमेण्ट जोन युवाओं के उज्ज्वल करियर को आगे बढ़ाने में सहायक होंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि युवाओं के सामने अवसरों की कमी नहीं है। उन्हें अपनी इच्छाशक्ति मजबूत रखनी होगी और अपनी स्किल्स विकसित करनी होंगी। सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ उन्हें स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए भी प्रोत्साहित कर रही है। जिन युवाओं का कैम्पस सिलेक्शन नहीं हो पाता, वह प्रधानमंत्री इण्टर्नशिप योजना और मुख्यमंत्री इण्टर्नशिप योजना से जुड़ सकते हैं। इन योजनाओं के माध्यम से निर्धारित मानदेय और स्टाइपेण्ड के आधार पर काम करने का अवसर मिलेगा। इससे उन्हें कार्य का अनुभव प्राप्त होगा और भविष्य में कैम्पस सिलेक्शन तथा रोजगार की सम्भावनाएँ बेहतर होंगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि युवाओं को अपना स्टार्ट–अप स्थापित करने के लिए सरकार ने 1,000 करोड़ रुपये का फण्ड ऑफ फण्ड्स बनाया है। स्टार्ट–अप केवल सॉफ्टवेयर अथवा टेक्नोलॉजी तक सीमित नहीं है। युवा 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन' सहित किसी भी सम्भावनाशील क्षेत्र में अपना उद्यम स्थापित कर सकते हैं। प्रदेश में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान संचालित है। जो युवा अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, उन्हें 05 लाख रुपये तक की सहायता गारण्टीमुक्त, ब्याजमुक्त और मार्जिन मनी के साथ उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इस योजना के अन्तर्गत अब तक 02 लाख युवाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वह प्रशिक्षण प्राप्त करें, अपना कार्य शुरू करें और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अभ्युदय कोचिंग की व्यवस्था की है, जिसके माध्यम से युवा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं। अभ्युदय कोचिंग से ऑनलाइन जुड़ने के साथ–साथ वर्चुअल और फिजिकल क्लास में शामिल होने की सुविधा भी उपलब्ध है। इस व्यवस्था को सभी जिलों तक पहुँचाया जा चुका है। अब इसे प्रत्येक विश्वविद्यालय और कॉलेज तक पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा। प्रदेश में वर्तमान में लगभग 67 लाख युवाओं को स्कॉलरशिप उपलब्ध करायी जा रही है। पूर्वदशम और दशमोत्तर छात्रवृत्ति का उद्देश्य युवाओं को आर्थिक सहायता देकर शिक्षा

जारी रखने, डिजिटल रूप से सशक्त बनने और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की। 01 जनवरी, 2027 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी युवाओं का नाम मतदाता सूची में होना चाहिए। मतदान का अधिकार प्रत्येक वयस्क नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन मतदान तभी सम्भव है, जब मतदाता सूची में उसका नाम दर्ज हो। वर्तमान में विशेष गहन पुनरीक्षण (एस0आई0आर0) के बाद मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एस0एस0आर0) की कार्यवाही चल रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना और मतदान करना युवाओं का अधिकार भी है तथा कर्तव्य भी। वर्तमान में लगभग 25 प्रतिशत युवाओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं। शेष युवाओं को अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए आगे आना चाहिए। नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म–6, गलत नाम हटवाने के लिए फॉर्म–7 तथा एक ही परिवार के सदस्यों के नाम अलग–अलग बूथों पर होने की स्थिति में एक बूथ पर स्थानान्तरित कराने के लिए फॉर्म–8 भरना होगा। टैबलेट के माध्यम से 01 जनवरी, 2027 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण भी करा सकेंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में कानून–व्यवस्था और सुरक्षा के लिए किए गए प्रयासों को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। गोरखपुर में हाल में हुई एक घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि एक दसवीं कक्षा का छात्र अपनी सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली छोटी बहन को केन्द्रीय विद्यालय से लेने जा रहा था। एक रैली के दौरान उस बच्चे को कुचल दिया गया। यह परिवार चौरी–चौरा की ऐतिहासिक घटना से जुड़े महान क्रान्तिकारी शिवपूजन सिंह का परिवार है। चौरी–चौरा की ऐतिहासिक घटना में 172 लोगों को फाँसी की सजा हुई थी। उसी महान क्रान्तिकारी के परिवार का यह बच्चा था। इस घटना पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क पर चलने वाले लोगों को इस प्रकार कुचलने की अराजकता स्वीकार नहीं की जा सकती। ऐसी घटनाएँ उत्तर प्रदेश की पहचान पर काला धब्बा हैं और प्रदेश में इस प्रकार की गुण्डागर्दी फैलाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार ने माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई करके संगठित अपराध को समाप्त करने का कार्य किया है। माफियाओं ने किसानों की खुशहाली छीनी, गरीबों की जमीनों पर कब्जा किया और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। ऐसे लोगों के विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगी। युवा अपने भविष्य की बेहतर योजना बनाएं। सरकार उनके साथ खड़ी है। युवाओं को निराशा और हताशा से दूर रहकर अपने लक्ष्य की दिशा में निरन्तर आगे बढ़ना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने युवाओं से विशेष रूप से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशा नाश का कारण है। युवाओं को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए और अपने जीवन तथा करियर को सुरक्षित रखना चाहिए। सरकार ने संगठित अपराध और माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई की है। अब नशे के सौदागरों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई शुरू होने जा रही है। जो लोग युवाओं के करियर और भविष्य के साथ खिलवाड़ करेंगे, उनके विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे। युवाओं की ऊर्जा राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है। इस ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाना आवश्यक है। प्रत्येक युवा को अपनी शिक्षा, कौशल और करियर पर ध्यान देना चाहिए तथा राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भी सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान में दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम एक साथ चल रहे हैं। पहला जनगणना–2027 और दूसरा मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण है। जनगणना के अन्तर्गत स्व–गणना की प्रक्रिया चल रही है। युवाओं को अपने टैबलेट का उपयोग करते हुए इस प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए। जनगणना के दौरान दिसम्बर से जनवरी तक घर–घर जाकर भी जानकारी एकत्र की जाएगी, लेकिन मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की प्रक्रिया के लिए युवाओं के पास सीमित समय है। इसलिए वह इस दौरान अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराएं। दोनों राष्ट्रीय कार्यक्रमों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2047 में जब देश अपनी आजादी का शताब्दी महोत्सव मना रहा होगा, तब भारत आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित हो, इसके लिए आज के युवाओं को स्वयं को तैयार करना होगा। ऐसा भारत बनाना है, जहाँ प्रत्येक युवा के हाथ को काम मिले, अन्नदाता किसान के चेहरे पर खुशहाली हो, प्रत्येक बेटी और बहन आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने, व्यापारी अपने उद्यम को आगे बढ़ा सके और प्रत्येक श्रमिक को सम्मानजनक मानदेय प्राप्त हो।

21 वर्ष बाद आज के युवाओं में से कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्री, कलाकार, प्रोफेसर, चिकित्सक, अधिवक्ता, न्यायाधीश अथवा उद्यमी बनेगा। इसलिए प्रत्येक युवा को अपनी प्रतिभा और क्षमता विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए। युवाओं को दिया जा रहा टैबलेट उनके करियर निर्माण का माध्यम बनेगा। यही करियर वर्ष 2047 तक विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का आधार तैयार करेगा। जीवन में निराशा के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो बिना डण्डे के भी व्यवस्था में सुधार किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार युवाओं के करियर को उज्ज्वल बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सांसद, विधायक और सभी जनप्रतिनिधि युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने में अपनी पूरी ताकत लगाएंगे। विकसित

भारत के निर्माण के लिए विकसित उत्तर प्रदेश बनाना आवश्यक है। उत्तर प्रदेश तभी आत्मनिर्भर और विकसित बनेगा, जब गोरखपुर, महराजगंज, कुशीनगर और देवरिया सहित प्रदेश का प्रत्येक जनपद आत्मनिर्भर और विकसित होगा। इसके लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों को देवोत्थान एकादशी की बधाई एवं शुभकामनाएँ भी दीं।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के कुशल मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश के युवाओं को रोजगार प्रदान किया जा रहा है। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का निरन्तर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन रहा है। प्रदेश प्रत्येक क्षेत्र में विकास कर रहा है। नए भारत का नया उत्तर प्रदेश भयमुक्त प्रदेश है। युवाओं के भविष्य को निरन्तर सँवारने का कार्य किया जा रहा है। आज का समय तकनीक का है। इस तकनीक का प्रयोग करके दुनिया की कोई भी जानकारी सेकण्डों में प्राप्त की जा सकती है। प्रदेश में सुरक्षा, सुशासन और विकास को प्राथमिकता देते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है।

प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के अन्तर्गत टैबलेट वितरण कार्यक्रम में युवाओं की उपस्थिति युवाओं का महाकुम्भ है। प्रधानमंत्री जी के कुशल मार्गदर्शन में डिजिटल इण्डिया तथा मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में डिजिटल उत्तर प्रदेश बनाने का कार्य किया जा रहा है। टैबलेट/स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य से उत्तम प्रदेश, उत्तम प्रदेश से सर्वोत्तम प्रदेश बनाने का कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम को सांसद श्री रवि किशन शुक्ल ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर मत्स्य मंत्री श्री संजय निषाद, शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Gorakhpur Visit-Tablets Distribution Programme-20 November, 2026